

**Headline:** At IIHMR University's convocation ceremony on Saturday, 334 graduates received their degrees. Additionally, there will be 10 new certificate courses, providing an opportunity for MBA in healthcare analytics.

**Print Coverage:**

Date	Publication	Edition
22.07.2024	Rajasthan Patrika	Jaipur

## कन्वोकेशन सेरेमनी : आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को 334 ग्रेजुएट्स को मिली डिग्री 10 नए सर्टिफिकेट कोर्स होंगे, हेल्थकेयर एनालिटिक्स में एमबीए का मौका

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

स्टूडेंट्स ने पैरेंट्स की मौजूदगी में डिग्री लेकर सालों की मेहनत को सल्लिभ्रेट किया। मौका था आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी की कन्वोकेशन सेरेमनी का। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. पी.आर. सोडानी ने कहा कि एलुमिनाई कनेक्शन को मजबूत करने के लिए पोर्टल शुरू किया, जिससे 3000 से अधिक एलुमिनाई जुड़े। इस मौके पर 334 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई। 8 स्टूडेंट्स को पीएचडी की उपाधि मिली। वहीं, 208 स्टूडेंट्स को एमबीए (हॉस्पिटल और हेल्थ मैनेजमेंट), 105 को एमबीए (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट) और 13 स्टूडेंट्स को एमबीए (डवलपमेंट मैनेजमेंट) की डिग्री दी गई। सोडानी ने कहा कि इस अकादमिक सेशन से स्टूडेंट्स एमबीए हेल्थकेयर एनालिटिक्स कोर्स पढ़ सकेंगे। इस बार 10 विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाएंगे। 6 महीने के कोर्स में डिजिटल हेल्थ, हेल्थकेयर ऑपरेशंस, क्वालिटी मैनेजमेंट जैसे विषय होंगे। फीस 50 हजार से 1 लाख के बीच होगी। चौफ गेस्ट एबॉट इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर स्वाति दलाल रहें।



### 8 स्टूडेंट्स को मिले गोल्ड व सिल्वर मेडल

गोल्ड मेडल हिमांशी पांडे (हॉस्पिटल मैनेजमेंट), अर्चिता श्रीवास्तव (हेल्थ मैनेजमेंट), पांडे तनुश्री अभय (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट) और कृष्णा राठौड़ (डवलपमेंट मैनेजमेंट) को मिले।

सिल्वर मेडल श्वेतांगी कुमार झाखमोला (हॉस्पिटल मैनेजमेंट), कनिका माथुर (हेल्थ मैनेजमेंट), श्रीयानी राय (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट) और बाम्बले आनंद रतन (डवलपमेंट मैनेजमेंट) को दिए गए।

### चुनिंदा गोल्ड मेडलिस्ट से बातचीत के अंश

**नीट नहीं, फार्मा रही पहली चॉइस** • मूल रूप से नागपुर की 24 वर्षीय तनुश्री अभय पांडेय को गोल्ड मेडल मिला। उन्होंने बताया, फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट में एमबीए किया। हमेशा से फार्मा में रुचि रही है, इसलिए मैंने नीट का ऑप्शन नहीं चुना। बेंगलुरु बेस्ट फार्मास्युटिकल स्टार्टअप कंपनी फाइब्रोहील वुंडकेयर प्रा.लि. में बतौर मैनेजमेंट ट्रेनी प्लेसमेंट हुआ है। बी.फार्मा के बाद एमबीए के लिए जरूरी परीक्षा जी.पैट को शुरूआती प्रयास में नहीं कर पाई थी।

**5 साल प्रैक्टिस, फिर शुरू की पढ़ाई** • पेशे से डेंटिस्ट डॉ. अर्चिता श्रीवास्तव को एमबीएम हॉस्पिटल एंड हेल्थ मैनेजमेंट में गोल्ड मेडल मिला। वे बताती हैं, बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) के बाद प्रैक्टिस शुरू की। इसके साथ मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी (एमडीएस) की तैयारी भी कर रही थी। उसी दौरान एक फ्रेंड ने गाइड किया की डेंटल के अलावा दूसरी राहें भी हैं। इस तरह लगातार 5 साल प्रैक्टिस करने के बाद मैंने आईआईएचएमआर में एडमिशन लिया।

**हॉस्पिटल मैनेजमेंट में किया एमबीए** • 28 वर्षीय डॉ. हिमांशी पांडेय ने डेंटल की पढ़ाई की। पीडब्ल्यूसी इंडिया में बतौर कंसल्टेंट प्लेसमेंट हुआ। वे बताती हैं, बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) के फाइनल ईयर तक भी डेंटल की प्रैक्टिस करना चाहती थी। एक सीनियर ने डेंटल के अलावा भी दूसरे करियर ऑप्शन बताए। यही वजह रही कि मैंने हॉस्पिटल मैनेजमेंट में एमबीए किया।